Item Code: 642 Participant Code: 030

मैं कौन हूँ

हम सब को पता है की कभी कभी हम ऐसा सोचते है की हम है कोन, कोन है हम ऐसा कुछ। कई लोग ऐसा होते है जिनको कभी कभी ऐसा लगता है की वो कोन है क्या रहते है ऐसा सब कुछ। ऐसे ही एक लड़के के बारे में हम इस कथा में सुनाने और बताने वाले है। एक छोटे से गाव जो इटली में है, उस गाव में एक छोटा सा बच्चा रहता था जो एक बहुत बड़ी खतरनाक बिमारी से तड़प रहा था। उस लड़के का नाम रामु था और वो सातवी कक्षा में पढ़ रहा था। वो स्कूल का सबसे अच्छा बच्चा और क्लास में टोप आता था। इस बिमारी के कारण कोई भी उससे बात नहीं करता था। इस इस कारण से कभी भी वो हस्ता नहीं था और हमेशा बहुत उदास रहता था। वो जब स्कूल से घर आता था तो एक छोटे से जादू घर जाके रोने लगता था। उसके माता पिता जब उसको इस हालत में देखते थे तो उन्हें बहुत दुख होता है। इस

കേരള സ്കൂൾ കലോത്സവം
തിരുത്തി.....................
പ്രോഗ്രാം കമ്മിറ്റി

कारण से उन्होंने अपने बेटे को उस स्कूल से निकालकर एक दूसरे नए स्कूल में अड्मिशन करवाली। लेकिन उससे कुछ भी नहीं फरक पड़ा था कुछ भी नहीं रुका उलटा उसका हालत तो और बड़ती गई वो बहुत कमज़ोर होने लगा लेकिन उसे ये पता नहीं था की क्या करें। उसके माता पिता का नाम रमेश और राधिका था। वो इतना दुखी थे की उनको इतना तक नहीं पता था की वो करे भी तो क्या करें। जब उसे उस स्कूल से निकालकर दूसरी स्कूल में ले आये तो वहा भी ऐसा ही हाल था। वहा के बच्चे हमेशा उसको धमकाते थे, मारते थे, पिटाई भी बहुत करते थे। उसे इतना धमकाते थे इतना धमकाते थे की अगर वो एक भी शब्द उनके सामने कहे तो वो उसको गंदी पानी तक पिलाते थे लेकिन वो ये बात किसी को बता भी नहीं सकता था अगर उसने बता दिया तो वो लोग उसको छोड़ेंगे नहीं। ऐसे ही चलते एक दिन उसक

नसीब खुल गया वो एक लड़के से मिला जिसका नाम अमित था। वो दोनों दोस्त बन गए। वो इतने करीब दोस्त बन गए की अगर वो जो लोग रामु को धमकाते वो रामू को धमकाने के लिए भीड़ आगए तो अमित उनको भगा देता है। और जब से अमित रामू के साथ है तो कोई भी उसे एक खरोच तक नहीं कर सकता। रामू ने अपनी सारी बात अमित को बता दिया था तो अमित को भी पता चल गया था की किसलिए वो इमेश में कोन हूँ, कहा रहता हूँ ये सब पूछता था। और पता चला की अमित भी वैसे ही एक लड़का था लेकिन जब से उसको रामू मिला है उसने अबी तक ऐसा कुछ भी मन में नहीं आया। उन दोनों को आपस में ये पता चल गया था की उनदोनों आपस में मिलने से पहले एक जैसे ही थे। सिर्फ इतना ही फरक था की वो दोनों दो माँ से है। वही एक फर्क ही उनको अलग लगा ~~जबसे~~ जबतक वो आपस में मिले नही थे। उन दोनों

के माता पिता भी आपस में दोस्त बन जाम।
उनके माता पिता भी आपस में इतने दोस्त
बनगाम की वो एक दूसरे के घर भी कभी कभी
जाने लगें। जब भी उनके माता पिता एक दुसरे
के घर जाते थे और बातों में उलझे रहते थे
तब रामू और अमित पासके किसी मैदान में
जाके खेलते थे। जब उनके माता पिता घर
से बाते करने के बात निकलते थे तो वो भी
अपना खेलना कूदना सब बंद करके उनके
पास जाते थे उतनी गाढ़ी थी उनदोनों की
दोस्ती। वो जब भी एक दूसरे से मिलते
थे तो कोई ना कोई तोका तो जरूर लेजाते
थे। जब एक दूसरे को अपना तोका देदेते
तो उसके अगले ही समय एक दूसरे से वो
दोनों झगड़ा भी करते थी और झगड़ा करने
के थोड़ी देर बात वो दोनों एसे चिपकके
चलते थे जेसे उन दोनों को एक साथ
सुपर गूम से चिपकादिया हो। स्कूल की
छुट्टी होने के बाद वो किसी एक के घर में
जाके खाना खाते और खेलने केलिए निकल

जाते थे। ऐसे ही चल रही थी उनकी दोस्ती।
बहुत दिन बाद जब रामु स्कूल आया
तब अमित वहां नहीं था और जब उसने
वहां के शिक्षक को पूछा तो उन्होंने कहा की
अमित आज स्कूल नहीं आएगा जब उस
ने ये सुना तो वो पत्थर की तरह रुक
गया और डर के मारे कांपने लगा क्योंकी
अगर अमित उसके साथ नहीं है तो उन
शैतानी बच्चे जो हमेशा रामु को पीटते
और धमकाते थे उससे उसे कौन बचाएगा।
रामु ने पूरा शब्द भी सोचना बंद नहीं किया
तभी वो बच्चे रामु के पास आए और उसे
जोर से पीटने लगे। रामु दर्द से चीखने
लगा लेकिन उससे कोई फायदा नहीं हुआ।
सारे बच्चे जब वो शैतानी बच्चें रामु
को मार रहे थे तभी उसके चारो ओर
आकर खड़े रहे और एक सिनमा की तरह
उसे देखते रहे लेकिन किसी ने भी उसी
मदद नहीं की। जब उस बच्चों ने रामू को
पीटना बंद किया तभी रामू डरकर अपने क्लास

रूम की ओर भाग गया। लेकिन उस शैतानी बच्चों ने उसे छोड़ा नहीं उसके पीछे पीछे उसके क्लास रूम तक जाम और वहा भी उसे पीटने लगे। उसको क्या करना है कुछ भी पता नहीं था वो सिर्फ लेटा रहा और सारी मार सह लिया। जब वो शैतान बच्चे थक गए तक दूसरे बच्चों को बुलाकर उसे मारने लगा। वो खड़ा होने का भी हाल में नहीं था और तभी एक टीचर आये और उन्होंने जब रामू को उस हाल में देखा तो उनको क्या करना है कुछ पता नहीं चला। वो इतनी घबरा गई थी की उसने जल्दी ही वहा के सारे सारे को बुला लिया और रामू को हॉस्पिटल लेगया। रामू को इतना चोट आया की वो एक हफ्ते तक घर से बाहर नहीं निकला और स्कूल भी नहीं गया। एक हफ्ते के बात वो ठीक तो हो गया लेकिन स्कूल जाने से वो बहुत डर रहा था। लेकिन जब उसके माता पिता ने उसे समझाया तो वो स्कूल जाने से मान गया। लेकिन अंदर ही अंदर उसे बहुत

डर लग रहा था। लेकिन वो कुछ बता भी तो नहीं सकता था। और आखिर में वो स्कूल जाने को मान भी गया और स्कूल केलिए निकल भी गया। जब वो स्कूल पहुंचा तो उसने अमित को भी नहीं देखा वो और से घबराने लगा और जब वो क्लास के अंदर पहुंचा तो उसने देखा की सभी लोग दुखी लग रहे थे किसी के भी मुह में खुशी नहीं थी। उसने सारे जगह ढूंडा लेकिन उसे अमित कहीं नहीं मिला। उसे कुछ तो गड़बड़ लगा उसने सीधे जाकर उसके क्लास के एक लड़के से पूछा तभी उसने उसको जो बताया वो सुनकर उसकी तो होश उड़गई उसने ये सुना की उसका दोस्त अमित अपने कार में जब घूमने जा रहा था तभी एक कार अकसिड़ंट में उसका मौत हो गया। जब उसने ये सुना तो वो ज़मीन पर गिर गया और ज़ोर ज़ोर से रोने लगा। उसे क्या कहना है कुछ समझ में नहीं आया। उसने उस स्कूल में भी नहीं रुका वो ये सुनते ही उस स्कूल से भाग गया और वहा पास में जो नदी होती है वहा चला गया। वो वहा जाकर

अपने दोस्त के बारे में सोचने लगा और कहने लगा मैं कौन हूँ ?, कौन । और बहुत शोर से रोने लगा। उसे ऐसा लगा की किसीने उसे एक काले से होल में फेक देया है। वो बहुत डर गया की अगर वो ~~और~~ उसके सात नहीं रहा तो उसका रक्षा कोन करेगा और अगर वो उसके सात नहीं रहा तो ~~[illegible]~~ उसका खाना स्कूल में कोन खाएगा। ये सब सोचके वो इतना खबरा गया की उसने अपने आप को भगवान के हवाले करने का सोच लिए और उस ~~[illegible]~~ नदी में कूद लिया और अपने आपको भगवान के हवाले करदिया। और इसी तरह उसके और उसके दोस्त मतलब रामु और रामु के दोस्त की भी अंत हो जाती है। और इसी तरह रामु ने अपने दोस्त के लिए अपना जीवन देदिया।

Moral : दोस्ती हो तो सची।